area which has been delineated for the purpose of taking consultancy in the area of management and technology which is not available here? Thirdly, has any effort been made to find out the views of the technical experts and management experts here in the public sector as to whether this is necessary at all, whether this super consultancy service is necessary at all, whether they have the necessary knowledge and expertise needed in these fields? And lastly, I would like to know whether it is not a sell-out of public sector interest to foreign nationals. I feel it is a sell-out. Therefore, I demand a high judicial inquiry into the whole thing. There are sinister implications and I do not want to go into this question because of shortage of time. But I demand that the Government should concede a high judicial inquiry to go into this matter.

REFERENCE TO THE NEED TO PROVIDE FACILITIES TO WRITERS IN INDIA

श्रीमती अमृता प्रीतम (नाम निर्देशित) : सर, बहुत से मुल्कों में पब्लिक लाइब्रेरी लेंडिंग ला लागू हो चुका है, जिसके मुताबिक किसी भी अदीब की किताब जितनी बार लाइब्रेरी से जारी होती है, उसके मुताबिक उस अदीब को लाइब्रेरी की तरफ से सालाना रायल्टी दी जाती है। दूसरे मुल्कों में जबकि और भी बहुत सी सहूलियतें दी जाती हैं, मसलन--पेंशन जो कई मुल्कों में किसी भी अदीब की पहली किताब शाया होने से 35 साल बाद औरत अदीब को और 45 साल बाद मर्द अदीब को जारी हो जाती है, साथ ही उन्हें सरकारी मकान दिए जाते हैं और किसी भी अदीब की लम्बी बीमारी के दौरान उसे तनख्वाह दी जाती है जो युनीवर्सिटी के किसी भी लेक्चरर की मुकर्रर तनख्वाह के बराबर होती हैं। हमारे मुल्क में जहां ऐसी कोई सहूलियतें नहीं दी जातीं वहां उस हालत में कम से कम लाइब्रेरी लेंडिंग ला जरूर लागू होना चाहिए ताकि अदीबों की पेंशनयाफ्ता उम्र में एक छोटा सा सहारा उनके लिए बन जाय।

REFERENCE TO THE HOISTING OF KHALISTAN FLAGS IN PUNJAB ON THE INDEPENDENCE DAY

श्री शान्ति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : आदरणीय, उपसभापति जी, पंजाब में हत्या, सामूहिक हत्या, डकैती और लूटपाट रोज की घटना है। वहां एक और शर्मनाक घटना घटी है और वह घटना यह है कि 15 अगस्त के दिन स्वाधीनता दिवस पर चंडीगढ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कालिख पोत दी गई और कालिख पोतने के बाद उसी मुकाम पर खालिस्तानी झंडा फहरा दिया गया। यह बहुत शर्म की घटना घटी है। मर्डर भी बुरी बात है, डकैती भी बुरी बात है, लूटपाट भी बुरी बात है, लेकिन हमारे स्वाधीनता संग्राम के महान सेनापति, अमर शहीद और जिनको राष्ट्र ने पिता माना उन महात्मा गांधी की प्रतिमा को खंडित करना या उस पर कालिख पोतना--इससे बड़ा गुनाह और जुर्म मेरी निगाह में कोई नहीं है। यह सारे देशवासियों के लिए और सरकार के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। श्रीमान् जी, मेरा विनम्र निवेदन यह है कि सदन को इस घटना की एक स्वर से तीव्र भर्त्सना करनी चाहिए और कठोर निन्दा करनी चाहिए। मान्यवर, अभी तक कोई अपराधी पकड़ा नहीं गया है और सरकार कह रही है कि तलाश कर रहे हैं। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि इस कांड में कोई अपराधी नहीं पकड़ा जायेगा। यह बरनाला सरकार का रिकार्ड है। आज तक पंजाब में कोई अपराधी मौके पर पकड़ा नही गया है। यह कमजोर गवर्नमेंट है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (मध्य प्रदेश) : चंडीगढ़ पर केन्द्र का प्रशासन है।